खबर संक्षेप

बोल बम : युवाओं का दल रवाना

सतना। भगवान भोलेनाथ के जयकारों के साथ युवाओं का एक बड़ा दल बोल बम यात्रा के लिए रवाना हुआ। इस पदयात्रा में अजय दुबे,राजेश दुबे,अथर्व दुबे,अरुण दुबे (लालू),आनंद मिश्रा,दीपक मिश्रा,सुधीर मिश्रा,भगवत शरण शुक्ला,और पवन पांडेय जैसे युवा शामिल थे। पहली बार इस धार्मिक यात्रा में राजा यादव के साथ कई महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।यात्रा को विदा करने और उनका स्वागत करने के लिए मनीष तिवारी,सुधीर मिश्रा(बेटू),विक्की दुबे,नवीन दुबे,रणबीर,हर्ष दुबे,रितिक तिवारी,आरुष दुबे,आलोक मिश्रा,शाश्वत त्रिपाठी,और प्रखर मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने मिलकर यात्रियों को शुभकामनाएं दीं और उनकी सफल यात्रा की कामना की।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई, समस्याओं का त्वरित निराकरण

मैहर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए संबंधित राजपत्रित अधिकारी (पुलिस),थाना प्रभारी,और चौकी प्रभारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता को अपनी शिकायतें सीधे पुलिस अधीक्षक तक पहुंचाने और उनका त्वरित समाधान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना था,जिससे पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सके।

मैहर में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मैहर। पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश पुलिस नारकोटिक्स विभाग द्वारा चलाए जा रहे 15-दिवसीय नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर रानी बाटड,पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल , एएसपी चंचल नागर,सीएसपी महेंद्र सिंह,एसडीओपी अमरपाटन ख्याति मिश्रा,सिटी कोतवाली प्रभारी अनिमेष द्विवेदी,नगर पालिका अध्यक्षा गीता संतोष सोनी,और जनपद अध्यक्षा आकांक्षा लोधी सहित स्कूली छात्र-छात्राएं,एनसीसी कैडेट्स,और आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था।

मवेशियों को मार्ग से हटाने की कार्यवाही

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुपालन एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में नगर निगम की हांका गेंग के कर्मचारियों द्वारा सोमवार प्रातः से अभियान चलाकर घुमंतू गोवंशों को सार्वजनिक मार्ग से हटाने की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी नें बताया कि अभियान के तहत गठित दल के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा आवंटित क्षेत्रों मिशन चौक, बरगवां, माधवनगर गेट रिलायन्स पेट्रोल पंप से कलेक्ट्रेट कार्यालय होते हुए मित्तल मॉल, बिलहरी मोड़ से पीरबाबा तक सहित नदीपार स्थित चांडक चैक पेट्रोल पंप के पास रविदास चैराहा से इंडिया होटल, कुठला मुख्य मार्ग एवं नगर के अन्य मार्गो के घुमंतु 17 पशुओं को झिंझरी स्थित कांजी हाउस एवं अमीरगंज स्थित गौशाला भेजने की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान जख्मी एवं बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय भेजा जाकर उपचार उपरां गौशाला भेजा गया।

12 साल पहले ही बनी है बिल्डिंग, निर्माण में लापरवाही

स्कूल में छात्रों पर गिरा छत का प्लास्टर, 1 छात्र घायल

नागौद विकासखंड स्थित विरांगना अवंतीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमर वारा में कक्षा के दौरान छत का प्लास्टर अचानक टूटकर छात्रों पर गिर गया। घटना सोमवार दोपहर 3 बजे की है। इस हादसे में 10वीं का एक छात्र घायल हुआ है, जिसकी पहचान साहिल मोहम्मद के रूप में हुई है।

हरिभूमि न्यूज, सतना।

प्लास्टर गिरने से साहिल के सिर में चोट आई है। हादसे के समय कक्षा में लगा सीलिंग फैन भी लटक गया। राहत की बात ये रही कि फैन की रॉड नहीं टूटी,वरना बड़ा हादसा हो सकता था और छात्रों को ज्यादा चोट आ सकती थी। स्कूल के केमिस्ट्री शिक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के समय क्लास रूम में 38 बच्चे बैठे थे। अचानक प्लास्टर गिरने से बच्चे को मामूली चोट आई है। प्रभारी डीईओ विष्णु त्रिपाठी ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नागौद बीईओ से इस मामले की जानकारी ली जा रही है। मात्र 12 साल में ही भवन की स्थिति खराब हो गई। निर्माण में लापरवाही की आशंका है। वरिष्ठ अधिकारियों के जर्जर भवनों में कक्षाएं न लगाने के निर्देश के बावजूद जिम्मेदार लोग छात्रों की जान जोखिम में डालकर ऐसे भवनों में कक्षाएं लगा रहे हैं। विभागीय अधिकारी इस घटना को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

स्कूल वाहनों में भूसे की तरह भरे जा रहे बच्चे : बब्बल

सतना। मध्य भारत मोर्चा के जिला अध्यक्ष जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल ने जारी बयान में कहा है एक तरफ तो प्रशासन निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगता है तो दूसरी तरफ निजी स्कूल संचालक अपनी मनमानी के लिए नए रास्ते खोज निकालता है। श्री भाटिया ने कहा शिक्षा का नया सीजन शुरू हो गया है और स्कूल संचालक अपनी चिन्हित दुकानों पर कॉपी किताब ऐड्रेस खरीदने अभिभावकों पर दबाव बनाने का पूरा प्रयास कर रहा है जिस पर लगाम लगाना जरूरी है उन्होंने कहा यही हाल स्कूली वाहनों का भी है जिसमें बच्चे भूसे की तरह भरे जा रहे हैं जो कि गलत है उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है की इस पर शक्ति के साथ अंकुश लगाए ताकि बच्चे सुरक्षित रहे।

बस ओवरटेक करने से बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा घायल

सतना

जिले के रैगांव थाना क्षेत्र के करसरा गांव में सोमवार रात बस को ओवरटेक करते समय बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई।बिजली के खंभे से टकराने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के वक्त बाइक पर तीन युवक सवार थे। जानकारी के मुताबिक,तीनों युवक कालिंजर से सेमरिया की ओर बाइक से लौट रहे थे। करसरा जलकर के पास उनकी बाइक ओवरटेक करते समय बिजली के पोल से टकरा गई। लखन लहगीर पिता हीरालाल लहगीर 24 वर्ष निवासी टिकुरिया

टोला की मौके पर ही मौत हो गई। गोल खान पिता फिरोज खान 25 वर्ष निवासी टिकुरिया टोला गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल लाया गया,जहां से बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने घायल और मृतक को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान रैगांव थाना पुलिस मौके पर नहीं पहुंची,न ही कोई पुलिसकर्मी अस्पताल में मौजूद रहा। बाद में अस्पताल चौकी पुलिस ने घटना की जानकारी ली और रैगांव थाना प्रभारी जांच में जुटे हैं।

करंट लगने से 11 पशुओं की मौत

सतना।

बरसात के मौसम में बिजली विभाग की लापरवाही से दो अलग-अलग घटनाओं में 11 पशुओं की मौत हो गई। कोठी थाना क्षेत्र के भैंसवार में आठ गोवंश और जसो थाना क्षेत्र के झिंगोदर में तीन भैंसों की करंट लगने से जान चली गई। ग्रामीणों ने बताया कि भैंसवार में बिजली का तार टूटकर गिरने के बाद अधिकारियों को सूचना दी गई थी। लेकिन,न तो बिजली काटी गई और न ही कोई मरम्मत की गई। इसके परिणामस्वरूप गांव में घूम रहे आठ गोवंश करंट की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के बाद भी विभाग ने कोई सुधार कार्य नहीं किया।

शिकायतों पर गंभीर नहीं है कंपनी

इसी तरह झिंगोदर में किसान इंद्रपाल की तीन भैंसों की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना से किसान को लगभग ढाई से तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। किसान का आरोप है कि बिजली कंपनी सूचनाओं को गंभीरता से नहीं लेती है,जिसके कारण इस तरह की दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं।

शहर में नशे के खिलाफ पुलिस ने निकाली जागरूकता रैली

सतना। पुलिस ने मंगलवार को नशे से दूरी-है जरूरी अभियान के तहत एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया,जिसका उद्देश्य नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना था। इस रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यह रैली नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और समाज को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। रैली को कलेक्टर सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान युवाओं और आम जनता को नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित करेगा और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में मदद करेगा।

खान सुरक्षा सप्ताह समारोह में केजेएस सीमेंट को आठ पुरस्कार

सतना।

36वें धात्विक खान सुरक्षा सप्ताह 2024का पुरस्कार वितरण समारोह खान सुरक्षा निदेशालय (जबलपुर क्षेत्र) के तत्वावधान में संपन्न हुआ,जिसमें केजेएस सीमेन्ट की खदानों को विभिन्न कैटेगरी में कुल आठ पुरस्कार प्राप्त हुए। समारोह की शुरुआत सुरक्षा शपथ दिलाए जाने से हुई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि नीरज कुमार,उप महानिदेशक(खान सुरक्षा),उत्तरी क्षेत्र गाजियाबाद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न माइनिंग कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया। इसके पश्चात शेख गुलाब,उप निदेशक (खान सुरक्षा)जबलपुर ने इस कार्यक्रम की पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि इस वर्ष कुल 81 खदानों ने 36वें खान सुरक्षा सप्ताह में भाग लिया जो कि पांच श्रेणियों हाइली मै के ना इ ज्ड , मै के ना इ ज्ड , से मी मैकेनाइज्ड,मार्बल एवं मैनुअल खदानों में विभक्त थीं।मुख्यअतिथि नीरज कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित खदान अधिकारियों, मैनेजर्स,इंजीनियर एवं श्रमिक बंधुओं से आग्रह किया कि सुरक्षा में नई तकनीक का

भी समायोजन किया जाए तथा सरकार द्वारा बनाए सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। इस अवसर पर गाजियाबाद से पधारे विजय कुमार,खान सुरक्षा निदेशक (यांत्रिक) और बी बेहरा,खान सुरक्षा निदेशक (विद्युत) ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। स्कूली छात्राओं की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति भी सराहनीय रही। अंत में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में केजेएस सीमेन्ट की बठिया एवं भदनपुर खदानों ने विभिन्न कैटेगरी में कुल आठ पुरस्कार प्राप्त किए जिसमें ओवरऑल कैटेगरी में तृतीय पुरस्कार भी शामिल है। इसके अलावा क्विज कंपटीशन में प्रथम तथा ट्रेड टेस्ट में पांच अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए। केजेएस सीमेन्ट की ओर से माइंस हेड वीएस राठौड़,एके वर्मा तथा अतीन्द्र भट्टाचार्य ने पुरस्कार प्राप्त किए।

गेम ऑफ एंटरप्राइज रिस्क 2025 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एकेएस का शानदार प्रदर्शन

सतना।

एकेएस विश्वविद्यालय,सतना के कंप्यूटर विज्ञान विभाग की एमसीए टीम इंट्रेपिड एक्सप्लोरर्स ने मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता इंस्टिट्यूट ऑफ रिस्क मैनेजमेंट,इंडिया एफिलिएट,मुंबई द्वारा आयोजित की गई,जिसमें देशभर की अग्रणी संस्थाओं की चयनित टीमों ने हिस्सा लिया। एकेएस की टीम ने विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5 जुलाई 2025 को एसडीए बोकोनी एशिया सेंटर,पवई,मुंबई में आयोजित फाइनल राउंड में सहभागिता की। इस टीम का कुशल नेतृत्व प्रो.अखिलेश ए.वाऊ,डीन,कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने

फैकल्टी मेंटर के रूप में किया,जबकि स्टूडेंट लीडर के रूप में आदिति सिंह ने अपनी भूमिका निभाई। टीम के अन्य प्रतिभाशाली सदस्य में युक्ति सिंह,प्रणव गौतम,शिवम कुमार,सना खान,स्मृति निगम,राहुल द्विवेदी,सहेन्द्र सिंह,अंकुश गुप्ता,आकांक्षा गर्ग शामिल थे।सभी विद्यार्थियों की टीम भावना, विश्लेषणात्मक सोच एवं समर्पण ने उन्हें अंतिम चरण तक पहुँचाया।फाइनल में देश के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईएम विशाखापत्तनम,सिम्बायोसिस,पारुल यूनिवर्सिटी,वेलिंगकर यूनिवर्सिटी,एनएल डालमिया,और एनआईए जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की टीमों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। इस कठिन चुनौती में एकेएस की टीम ने आत्मविश्वास,निष्ठा और जुझारूपन का परिचय देते हुए विश्व विद्यालय को गौरवान्वित किया। मार्गदर्शक शिक्षकों में प्रमुख रूप से प्रो.अखिलेश ए.वाऊ तथा पुष्पेन्द्र भट्ट ने टीम को निरंतर प्रेरित किया। उनकी उपस्थिति ने विद्यार्थियों में जोश और आत्मबल को बनाए रखा। प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता हेतु प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए,जो उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। एकेएस विश्वविद्यालय के चेयरमैन अनंत सोनी,कुलपति प्रो.बी.ए.चोपड़े एवं डीन डॉ.जी.के.प्रधान के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए सम्पूर्ण टीम ने आभार व्यक्त किया।

83 वारंटियों को पकड़ा, निगरानी बदमाशों को किया चेक, आबकारी के 22 प्रकरण पंजीबद्ध

हरिभूमि न्यूज कटनी

जिले में बढ़ती अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम एवं फरार वारंटियों, बदमाशों की धरपकड़ के लिए बीती रात जिले भर के थाना क्षेत्रों में पुलिन ने काम्बिग गश्त चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं सभी एसडीओपी के मार्गदर्शन में सघन कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। यह गश्त थाना क्षेत्रों के अत्यधिक संवेदनशील एवं आपराधिक गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रित रही। इस विशेष अभियान में थाना प्रभारी, उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक, आरक्षक, साइबर सेल एवं विशेष बल की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। गस्त के दौरान निगरानी बदमाशों की गतिविधियों की जांच, डोजियर वाले आरोपियों की चेकिंग व हाजिरी, झुग्गी-झोपड़ियों, डेरों, किराए के मकानों, होटल-ढाबों की तलाशी ली गई। साथ ही अवैध गतिविधियों (जैसे जुआ, सट्टा, मादक पदार्थ, अवैध शराब) पर निगरानी रखते हुए वाहन चेकिंग कर बिना दस्तावेजों, नशा कर वाहन चलाने वालों व संदिग्ध वाहनों की जाँच के साथ रात्रि में खुले रहने वाले प्रतिष्ठानों की जांच, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ एवं पहचान सत्यापन किया गया। काम्बिग गस्त के दौरान विभिन्न न्यायालय द्वारा जारी विभिन्न प्रकरणों के 83 वारंटी गिरफ्तार किए गए, न्यायालय द्वारा विभिन्न प्रकरणों के जारी कुल 37 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किया गया।।पुलिस द्वारा अपराधियों के घर जाकर कुल 47 गुंडा चेक किए गए,।अचानक दबिश देकर निगरानी बदमाशों के घर जाकर 47 निगरानी बदमाश चेक किए गए।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार मोटर बाइक अनियंत्रित होकर गिरी बाइक में सवार युवक गंभीर रूप से घायल

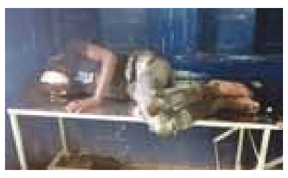

अमानगंज। मंगलवार की शाम लगभग 6:00 बजे एक सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है जहां पिपरवाह ग्राम के समीप एक तेज रफ्तार मोटर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई जिससे मोटरबाइक में सवार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे डायल हंड्रेड की मदद से अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां घायल सूरज पिता स्वामी दीन आदिवासी उम्र 20 वर्ष निवासी खजरी कुंडरा को प्राथमिक उपचार देकर जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल अत्यधिक शराब के नशे में था जिससे मोटरबाइक अनियंत्रित होकर गिर गई घटना की जानकारी राहगीरों द्वारा डायल हंड्रेड को दी इस पर अमानगंज डायल हंड्रेड स्टाफ आरक्षक सतीश श्रीवास एवं पायलट हरि पटेल ने गंभीरता पूर्वक अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

स्कूटी और मोटर बाइक के बीच भिड़ंत, चार लोग घायल

मंगलवार की शाम 6:30 बजे लगभग अमानगंज पवई मुख्य सड़क मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है इसमें स्कूटी और मोटर बाइक के बीच भिड़ंत हो जाने से चार लोग घायल हो गए हैं जिनमें तीन बच्चियां शामिल है जबकि एक पुरुष भी घायल है प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूटी में सवार आरती पिता राम सैईया उम्र 17 वर्ष भारती पिता राम सैईया उम्र 15 वर्ष एवं कौशल्या पिता लाला उम्र 18 वर्ष निवासी मेनहा जिला मैहर जो अमानगंज बाजार कर घटई जा रही थी वही मोटर बाइक सवार श्रवण पिता कृष्ण कुमार शर्मा उम्र 35 बर्ष निवासी बरसोभा जो पवई साइड से अमानगंज की ओर आ रहा था तभी दोनों स्कूटी एवं मोटर बाइक के बीच भिड़ंत हो गई और इस घटना में चार लोग घायल हो गए वहीं उपस्थित राहगीरों की मदद से चारों को अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया जबकि कौशल्या की हालत को गंभीर देखते हुए उसे कटनी के लिए रेफर कर दिया

बायपास होते हुए भी हेवी वाहन गुनौर नगर से भर रहे फर्राटा

गुनौर। नगर परिषद गुनौर में इन दिनों भीड़ भाड़ वाले इलाके से हैवी वाइन गुजर रहे है जिससे दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है जबकि प्रशासन चाहे तो इन पर कार्यवाही कर वायपास से जाने दिया जाए परन्तु प्रशासन की उदासीनता के चलते इन पर कार्यवाही न होने के कारण दिन में भी तेज गति से शहर के अंदर से गुज़र रहे है नगर के लोगों ने इस पर रोक लगाने की मांग समाचार पत्रों के माध्य से की है।

जिला प्रशासन की मनमानी के खिलाफ बड़ी कानूनी जीत हासिल

कलेक्टर के आदेश को माना अवैध, कोर्ट ने लगाई रोक

कलेक्टर द्वारा दोबारा उन्हीं बिन्दुओं पर की जा रही कार्रवाई को नहीं माना वैध

पन्ना। न्यायालय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड श्रीमती रितिका मिश्रा (पाठक) ने कलेक्टर द्वारा श्रीकांत दीक्षित और उनकी पत्नी आशा दीक्षित की जमीन से उन्हें ही अवैधानिक रूप से बेदखल करने का प्रयास करने को गैरकानूनी ठहराते हुए प्रशासन को दिया कड़ा झटका। जिले के टिकुरिया मोहल्ला निवासी श्रीकांत दीक्षित और उनकी पत्नी आशा दीक्षित ने जिला प्रशासन की मनमानी के खिलाफ बड़ी कानूनी जीत हासिल की है। न्यायालय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड श्रीमती रितिका मिश्रा (पाठक) ने कलेक्टर द्वारा श्रीकांत दीक्षित और उनकी पत्नी आशा दीक्षित की जमीन से उन्हें ही अवैधानिक रूप से वेदखल करने का प्रयास करने को गैरकानूनी ठहराते हुए प्रशासन को कड़ा झटका दिया है। मामला खसरा नंबर 2109/2/1 (0.5730 हेक्टेयर) और 2109/2/3 (0.250 हेक्टेयर) की जमीन से जुड़ा है, जहां प्रशासन ने बिना वैध आदेश के विवादित बोर्ड लगाकर कब्जा करने की कोशिश की थी। दीक्षित दंपति ने कोर्ट में वाद दायर कर इस कार्रवाई को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी भी भूमि को शासकीय घोषित करने या उस पर कब्जा करने के लिए विधिक

प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है। कोर्ट ने पाया कि दीक्षित दंपति ने परमिशन के साथ जमीन खरीदी थी और पूर्व में विक्रय संव्यवहार को पूर्व कलेक्टर द्वारा वैध पाया जाने से शिकायती नस्तीबद्ध की गई है। इसके बावजूद कलेक्टर द्वारा दोबारा उन्हीं बिन्दुओं पर की जा रही कार्रवाई को वैध नहीं माना। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, कोई भी प्रशासनिक अधिकारी बिना विधिक प्रक्रिया के किसी की जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता। कोर्ट ने प्रशासन को श्रीकांत दीक्षित व श्रीमती आशा दीक्षित के कब्जे में हस्तक्षेप करने से रोकने का निर्देश दिया। इस फैसले को आम नागरिकों के हक और न्याय की जीत के रूप में देखा जा रहा है। वादकारियों और स्थानीय लोगों ने इसे प्रशासन की तानाशाही और मनमानी कार्रवाइयों पर करारा प्रहार बताया। विशेषतौर पर किशोरगंज मोहल्ला के लोगो के पास नजूल की एन०ओ०सी० भवन निर्माण अनुमति एवं विक्रय पत्र थे, उनको भी इसी प्रकार उनका अतिक्रमण होना कहकर नोटिस देकर उनके मकान गिराकर उन्हें बेघर करने का असफल प्रयास कलेक्टर पन्ना द्वारा किया गया था। जिस पर माननीय म०प्र० उच्च न्यायालय से उन्हें राहत मिली थी, अब इस मामले से उन्हें भी एक उम्मीद की किरण दिखी है।जिला प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और अन्य पीड़ितों को भी अपने हक के लिए लड़ने की प्रेरणा दी है। यह फैसला न केवल दीक्षित दंपति के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि यह अन्य नागरिकों के लिए भी एक मिसाल बन गया है और इस प्रकार के आदेश से किशोरगंज मोहल्ला के निवासियों को भी प्रशासन द्वारा अपने पदीय शक्तियों का दुरुप्रयोग कर घर गिरा पाने से रोकने की मदद मिलेगी। स्थानीय लोग अब मांग कर रहे हैं कि ऐसी कार्रवाइयों पर रोक लगे और प्रशासन पारदर्शी व विधिसम्मत तरीके से काम करे।

मनमानी बिल के विरोध में एसडीएम को दिया गया ज्ञापन

पन्ना। तहसील कार्यालय अजयगढ़ में स्मार्ट मीटर के विरोध में एवं मनमानी बिजली बिल दिए जाने के विरोध में ज्ञापन दिया गया क्षेत्रवासी बिजली विभाग की मनमानी के विरोध में नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय मैं पहुंच करके ज्ञापन दिया मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अजयगढ़ नगर में जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं तब से बिजली बिल से बेहद परेशान हो मनमानी बिल रहे हैं जिसके कारण लोगों को आर्थिक भार पढ़ रहा है पूर्व में जब पुराने मीटर लगे थे तब लोगों का बिल 500 800 1000 आता था लेकिन जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं मनमानी बिजली बिल आ रहे हैं किसी के 2000 किसी के 2500 किसी के 3000 किसी के 10000 बिल बिजली विभाग द्वारा भेजे जा रहे हैं अजयगढ़ क्षेत्री या विकास संघ के संयोजक श्रीराम पाठक में बिजली विभाग की मनमानी के संबंध में बताया कि आखिर क्या कारण था की जो पहले से विद्युत मीटर लगे हुए थे उनको बिना उपभोक्ता की सहमति से बदल दिए गए जबकि वह मी पूरी तरह काम कर रहे थे कोई खराबी नहीं थी लेकिन स्मार्ट मीटर बदले जाने के बावजूद लोगों के मनमानी बेला रहे हैं जिनकी आमदनी 5 या 10000 महीने हैं गरीबी रेखा से जीवन यापन करते हैं जिनके घर में कलर भी नहीं है अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान भी नहीं है उनके भी मनमानी बिल आ रहे हैं क्षेत्रीय लोगों ने एसडीएम अजयगढ़ को स्वयं अपनी पीड़ा बताइए मनमानी बिल के बारे में बताया ज्ञापन देने वालों में अजयगढ़ क्षेत्रीय विकास संघ के संयोजक श्री राम पाठक मोहम्मद महबूब सुरेश गुप्ता शेख मोहम्मद भोलू गौतम शराफत पूर्व सरपंच जगदीश द्विवेदी रवि विश्वकर्मा संतोष पाल दीपक मिश्रा जीवन यादव बैजनाथ यादव अजय जैन रफीक मोहम्मद लखन लाल यादव विशाल लोधी राजा पाठक शीतल शुक्ला अनिल मिश्रा समेत कई क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

नशा युवाओं के भविष्य के लिये सबसे बड़ा खतरा, यह केवल एक व्यक्ति नहीं उसके पूरी परिवार व समाज को प्रभावित करता है -पूर्व मंत्री विधायक

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा भव्य बाइक रैली का आयोजन

पन्ना। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार दिनांक 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक समूचे मध्यप्रदेश में "नशे से दूरी है जरूरी" विषय पर सघन न-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से दूर रखना, समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाना तथा मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाना है। पन्ना जिले में इस अभियान की भव्य शुरुआत पुलिस अधीक्षक कार्यालय से हुई, जहां विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा एस. थोटा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में पुलिस बल को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर माननीय विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि "नशा युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह केवल एक व्यक्ति नहीं, उसके पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज वस्यकता है कि हम सब मिलकर नशा विरोधी अभियान को जनांदोलन का रूप दें। अभिभावक, शिक्षक, प्रशासन एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। यह रैली केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि परिवर्तन की दिशा में पहला कदम है। साथ ही पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा कहा गया कि ष्नशे के विरुद्ध यह लड़ाई केवल कानून की नहीं, बल्कि समाज की है। हमें मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिसमें युवा जागरूक, स्वावलंबी और नशा मुक्त जीवन की ओर अग्रसर हों। अभियान के तहत आज दिनांक 15 जुलाई को पन्ना पुलिस द्वारा एक बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मोटरसाइकिलों पर सवार होकर शामिल हुए। रैली का उद्देश्य नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना था। यह बाइक रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर पुलिस लाइन तिराहा, बीटीआई तिराहा, कोतवाली तिराहा, कटरा बाजार, गणेश मार्केट, गोविंद जी चौराहा, बड़ा बाजार, अजयगढ़ चौराहा, गांधी चौक और अस्पताल चौराहा होते हुए पुनः पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर संपन्न हुई। रैली में कोतवाली थाना, यातायात थाना, पुलिस रक्षित केंद्र सहित अन्य इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रदेश में नशीले पदार्थों का सेवन एक गम्भीर सामाजिक समस्या बन चुका है, जो युवाओं के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इसके

उन्मूलन हेतु सभी वर्गोंकृपरिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएं एवं प्रशासनकृको एकजुट होकर कार्य करना होगा। यह अभियान न केवल नशे के खिलाफ चेतना जागृत करता है, बल्कि समाज को यह संदेश देता है कि नशा एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। पन्ना पुलिस ने यह संकल्प लिया है कि इस जागरूकता अभियान को सड़क से समाज तक पहुँचाकर अधिक से अधिक नागरिकों को नशा उन्मूलन हेतु प्रेरित किया जाएगा।

सर्पदंश से जनहानि रोकने दक्षिण पन्ना वन विभाग की अभिनव पहल

पन्ना। सर्पदंश जैसी गंभीर समस्या को जनजागरूकता के ज़रिए कम करने के उद्देश्य से दक्षिण पन्ना वनमंडल ने एक अभिनव और रचनात्मक पहल की है। वर्ल्ड स्नेक डे (16 जुलाई 2025) के अवसर पर वन विभाग द्वारा 'सर्पदंश से बचाव और उपचार' पर आधारित विशेष साँप-सीढ़ी खेल का डिज़ाइन और वितरण किया जाएगा। इस विशेष खेल को जनहित में तैयार किया गया है, जो न केवल बच्चों के लिए मनोरंजक है, बल्कि उन्हें सर्पदंश की रोकथाम, बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी भी चित्रात्मक और रोचक तरीके से प्रदान करता है। वन विभाग द्वारा बनाए गए इस साँप-सीढ़ी खेल में क्या करें और क्या न करें जैसे अहम संदेशों को सीढ़ी (अच्छे व्यवहार) और साँप (ग़लत व्यवहार) के ज़रिए दर्शाया गया है। खास बात यह है कि खेल में मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली तीन प्रमुख विषैले सर्प प्रजातियाँ कृ कोबरा, करैत और रसेल वाइपर के कार्टून रूपों का चित्रण

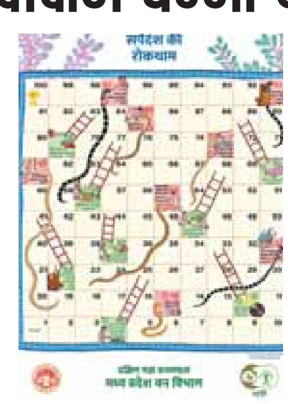

किया गया है, जो प्रायः सर्पदंश से होने वाली अधिकतर मौतों के लिए ज़िम्मेदार हैं। इसके साथ ही, स्थानीय गोंड कला के पारंपरिक मोटिफ भी इस खेल का हिस्सा बनाए गए हैं, जिससे यह स्थानीय सांस्कृतिक पहचान से भी गहराई से जुड़ता है। इस पहल के तहत दक्षिण पन्ना वनमण्डल के चयनित विद्यालयों में हजारों बच्चों को यह विशेष साँप-सीढ़ी खेल वितरित किया जाएगा। वन विभाग के अनुसार, इस नवाचार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से बच्चों और किशोरों को सर्पदंश के बारे में वैज्ञानिक जानकारी देना, अंधविश्वास से दूर रखना और समय पर प्राथमिक उपचार के महत्व को समझाना है। वनमंडल अधिकारी का मानना है कि खेलों के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन और जीवन रक्षा जैसे गंभीर संदेश बच्चों के मन में सरलता से बैठाए जा सकते हैं। यह पहल जन-सहभागिता से जन-जीवन की सुरक्षा की दिशा में एक सकारात्मक और रचनात्मक कदम मानी जा रही है।

स्थानीय ग्रामीणों ने शीघ्र पुल निर्माण की रखी मांग

पन्ना। जिले के गुनौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बराछ के समीपी ग्राम गोरा के स्थानीय ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बतलाया कि विगत वर्ष मुख्य मार्ग पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जो ठेकेदार द्वारा कफी धीमी गति से करने के कारण बारिश के पूर्व पुल का निर्माण पूर्ण नहीं हुआ है। जिसकी वजह से स्थानीय ग्रामीणों को अब आगमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लोगों को निकलने में दिक्कत हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए जाएं और जो अधूरा पुल का निर्माण कार्य पड़ा हुआ है उसे पूर्ण कराया जाए। ताकि लोगों को अवागवन करने में परेशानी ना हो। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित ठेकेदार से भी पूर्व में कहा गया था कि निर्माण कार्य को बेहतर कराया जाए, मगर ठेकेदार द्वारा ग्रामीणों की एक भी नहीं सुनी गई। और आधा अधूरा पुल निर्माण छोड़ दिया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि यदि पुल का निर्माण शीघ्र नहीं किया गया तो इसको लेकर ग्रामीण लोग मजबूर होकर आंदोलन की राह पकडेगे। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि हाल में बारिश के चलते वहां पर गर्भवती महिलाओं को तथा बुजुर्गों को उपचार में लाने ले जाने में जहां परेशानी हो रही है, वहीं दूसरी ओर स्कूल पढ़ने जाने वाले बच्चे स्कूल से वंचित हो रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर जिले के संवेदनशील कलेक्टर से आग्रह है कि तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश जिम्मेदार अधिकारियों को दिए जाएं।

अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ बिजली बहाल करें: कमिश्नर

पन्ना। कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने सागर संभाग के अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ विद्युत की आपूर्ति बहाल करने के निर्देश ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सागर संभाग के सभी जिलों में लोगों को समुचित बिजली की आपूर्ति होना चाहिए। साथ ही सभी जिलों में बिगड़े हुए ट्रांसफार्मरों को सुधारने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने उक्त निर्देश आज विकास और निर्माण कार्यों की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर ने सागर संभाग में वर्षा काल में सड़कों की स्थिति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत की जाए तथा मुख्य सड़कों से पानी की निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने कहा कि सडकों में पानी के जमाव के कारण सड़कें खराब होती है। अतः सागर संभाग की प्रमुख सड़कों में पानी का भराव नहीं हो इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में केन-बेतवा लिंक नहर परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रभावितों को मुआवजे का वितरण तेजी से किया जाए। साथ ही प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अधीक्षण यंत्री जल संसाधन ने बताया कि केन-बेतवा नहर लिंक परियोजना के भू-अर्जन का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि छतरपुर और पन्ना जिले के 22 गांवो में भू-अर्जन की कार्यवाही की जा चुकी है तथा मुआवजा राशि का वितरण किया जा रहा है। समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने सागर संभाग के प्रमुखों बांधों में जल स्तर की समीक्षा करते हुए कहा कि जल संसाधन विभाग के अधिकारी सागर संभाग के प्रमुख बांधों के जल स्तर की जानकारी उन्हें प्रतिदिन मुहैया कराएं तथा संभाग के प्रमुख बांधों और तालाबों में जल भराव की स्थिति की सतत निगरानी करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि बांधों और तालाबों में पानी के अधिक भराव होने की स्थिति में बांधों और तालाबों से आवश्यक होने पर पानी की निकासी भी करें। बैठक में कमिश्नर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण किए जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बनाए गए खेत तालाब, खेल मैदान, उच्च गुणवत्ता के होने चाहिए। कमिश्नर ने अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि वह गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों अथवा आम नागरिकों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के संबंध में प्राप्त शिकायतों की अति गंभीरता से जांच करें और प्रतिवेदन कमिश्नर कार्यालय को प्रस्तुत करें। बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा अधूरे निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

शाहनगर में समाजसेवियों की अनूठी पहल

गायों को रेडियम पट्टा पहनाने चलाया अभियान

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार के निर्देशानुसार पन्ना जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 अंतर्गत धारा 163 प्रभावशील की गई है, जिसके तहत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं और गौवंश को सुरक्षित आश्रय स्थल भेजा जा रहा है। इससे सड़क दुर्घअनाओं पर रोकथाम के साथ ही पशुओं की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी। जिला कलेक्टर के निर्देश पर निराश्रित पशु और गौवंश को विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा गौशाला में भेजने की कार्यवाही वर्तमान में संपादित की जा रही है। इसके अलावा अब समाजसेवियों द्वारा भी रात के समय सड़कों पर घूमने वाली आवारा गायों को दुर्घटनाओं का शिकार होने से बचाने के लिए नवाचार किया गया है। शाहनगर में स्थानीय समाजसेवियों ने गायों की जान बचाने के लिए उन्हें रेडियम पट्टे पहनाने का अभियान शुरू किया। यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। अब तक 100 से अधिक गायों को रेडियम पट्टे पहनाए जा चुके हैं, जो रात में वाहन की लाइट पड़ते ही चमकने लगते हैं। इससे वाहन चालक दूर से ही गायों को देख पाते हैं और समय रहते अपनी गाड़ी की रफ्तार नियंत्रित कर लेते हैं। समाजसेवियों ने चर्चा के दौरान बताया कि हर रोज किसी न किसी गाय के एक्सीडेंट की खबरें सुनकर मन व्यथित हो जाता था। तभी सोचा कि कुछ ऐसा किया जाए, जिससे इन मासूम जीवों की जान बच सके। रेडियम पट्टा एक सस्ता और असरदार उपाय निकला। इस अनूठी पहल को क्षेत्रीय लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। लोग खुद आगे बढ़कर इस अभियान में आर्थिक और स्वैच्छिक रूप से सहयोग कर रहे हैं। पशु प्रेमियों, युवाओं और ग्रामीणों की टीम मिलकर गायों को पकड़ती है और उन्हें रेडियम पट्टा पहनाती है। स्थानीय प्रशासन और जनपद पंचायत, पुलिस विभाग ने भी इस प्रयास की सराहना की है। आने वाले समय में इसे पूरे जिले में लागू करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। रेडियम पट्टा एक खास प्रकार का चमकने वाला पट्टा होता है, जिसे जानवर की गर्दन या सींग पर बांधा जाता है। वाहन की हेडलाइट जैसे ही इस पर पड़ती है, यह तेज़ी से चमकता है, जिससे दूर से ही जानवर की उपस्थिति का आभास होता है। कान्हु गुप्ता स्थानीय निवासी ने कहा कि ऐसी पहल आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। रात में सड़क पर जानवर दिखते नहीं और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। अब कम से कम समय रहते बचाव हो सकेगा। इसी तरह सलीम खान, ट्रक ड्राइवर ने बताया कि मैं रोज रात में ट्रक चलाता हूं। अब ये पट्टे देखकर दूर से ही जानवरों का अंदाज़ा हो जाता है। एक्सीडेंट की आशंका बहुत कम हो गई है। इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि छोटी-छोटी कोशिशें भी बड़े बदलाव ला सकती हैं। यदि समाज के अन्य लोग भी इस दिशा में कदम उठाएं तो न केवल जानवरों की जान बचेगी, बल्कि वाहन चालकों को भी राहत मिलेगी। समाजसेवा की इस अनोखी मिसाल ने यह दिखा दिया है कि इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच से समाज में बदलाव संभव है।

जमीनी विवाद को लेकर तीन लोगों ने एक राय होकर एक परिवार के तीन सदस्यों के साथ की मारपीट

अमानगज। पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मुकेहा ग्राम में एक जमीनी विवाद का मामला सामने आया है। मंगलवार की शाम 5:00 बजे अमानगंज पुलिस थाना पहुंचे फरियादी धन्नू लाल पिता राम विशाल चौबे उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम मुकेहा ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि उसके खेत में छन्नू लाल पिता राम विशाल अपने परिवार के सदस्यों के साथ आया और धन्नूलाल के खेत में खाद डाल रहा था मना करने पर उक्त व्यक्ति द्वारा गाली-गलोच करना शुरू कर दिया गाली देने से मना किया जिसको लेकर आरोपी पक्ष के छन्नू लाल एवं लडके रविन्द्र चैबे सुभम चौबे पिता रामप्रकाश चौबे के द्वारा फरियादी धन्नू लाल चौबे एव अनुज चौबे महिला मंदाकनी चौबे के साथ लाठी डंडों से मारपीट की गई जिसमें धन्नूलाल के हाथ में गंभीर चोट बताई गई है संभवत हाथ फैक्चर होने की आशंका है पुलिस ने पूरे मामले को लेकर आरोपी पक्ष पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया है

3 सगे भाई-बहनों के लिए काल बना तालाब, जांच में जुटी पुलिस

जिले के प्रकाश बम्हौरी थाना क्षेत्र के हटवा गांव में एक ऐसा हादसा हुआ है, जिसकी खबर लगने के बाद हर व्यक्ति दुखी हो गया। दरअसल हटवा गांव के रहने वाले तीन सगे भाई-बहनों की गांव में मौजूद एक तालाबनुमा खेत में डूबने से मौत हो गई,

हरिभूमि न्यूज, छतरपुर।

जिसके गांव सहित पूरा क्षेत्र शोकाकुल हो गया। तीनों बच्चे स्कूल से लौटने के बाद उक्त खेत के किनारे लगे आम के पेड़ से आम तोडऩे गए थे, जहां उनके साथ हादसा हो गया। बच्चों के पिता प्रतिपाल सिंह ने बताया कि उनके तीन बच्चे लक्ष्मी उम्र 10 वर्ष, तनु उम्र 8 वर्ष और लोकेंद्र उम्र 4 वर्ष स्कूल से लौटने के बाद खेलने गए थे। काफी देर तक जब वे वापिस नही लौटे, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। तलाश के दौरान तीनों बच्चों के शव तालाबनुमा खेत में उतराते हुए दिखाई दिए, जिसके बाद चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बच्चों के शवों को बाहर निकलवाया। बच्चों को बारीगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि तीनों बच्चे खेत के किनारे लगे आम के पेड़ के पास खेल रहे होंगे और जमीन गीली होने के कारण फिसलकर तालाब में गिर गए होंगे, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। तीनों बच्चों की एक साथ मौत होने के कारण प्रतिपाल के परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बहरहाल पुलिस ने तीनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए लवकुशनगर भेजा और मामले की जांच शुरु कर दी है। लवकुशनगर बीएमओ एसएस चौहान ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। वहीं एसडीओपी नवीन दुबे ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। परिजनों के बयान और पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को स्वीकृत की 4-4 लाख रुपए सहायता राशि

एसडीएम गौरिहार बलबीर रमन ने प्रकाश बमोरी थाना अंतर्गत हटवा गांव में निवासरत प्रतिपाल सिंह के तीन बच्चों जिनमें 2 पुत्री कु. शांतिसिंह ठाकुर, कु. लक्ष्मीसिंह ठाकुर एवं 1 पुत्र लोकेन्द्र सिंह ठाकुर के खेत में बने पोखरनुमा गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। जिसके लिए जुझारनगर नायब तहसीलदार के प्रतिवेदन पर एसडीएम गौरिहार ने संबंधित मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है।

दोस्तों की जान बचाने नाले में कूदे किशोर की मौत, 16 घंटे बाद मिला शव

ईशानगर। थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम करीब 4 बजे एक नाले में डूबने से किशोर की मौत हो गई। बताया गया है कि मृतक अपने दोस्तों को बचाने के लिए नाले में कूदा था, जिसके बाद पानी में डूब गया। घटना पठादा पंचायत के नाथन पुरवा के पास की है, जहां से निकले नाले में नाथन पुरवा के रहने वाले कुछ लड़के नहा रहे थे। इस दौरान कुछ लड़के डूबने लगे, जिन्हें बचाने के लिए नाथन पुरवा निवासी 16 वर्षीय पंकज नागवंशी ने पानी में छलांग लगा दी। पंकज के दोस्त तो बाहर निकल आए, लेकिन पंकज पानी बाहर नहीं आ सका। घटना की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जब वह नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। ईशानगर थाना प्रभारी शैलेंद्र सक्सेना और होमगार्ड की टीम के साथ शाम को करीब चार घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन खराब मौसम के कारण रात में तलाश रोकनी पड़ी। मंगलवार सुबह पुनः रेस्क्यू शुरू हुआ, जिसके बाद करीब 8 बजे पंकज का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खबर संक्षेप

रहस्यमयी अंदाज में लापता हुआ 13 वर्षीय बालक

छतरपुर। बीती शाम शहर के सागर रोड की पेप्टिक सिटी में रहने वाला एक 13 वर्षीय बालक रहस्यमयी अंदाज में लापता हो गया। बालक का परिवार और पुलिस उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पेप्टिक सिटी निवासी पीयूष उर्फ केदारदत्त पुत्र मुकेश शुक्ला उम्र 13 वर्ष, सोमवार की शाम करीब साढ़े 6 बजे घर से निकला था। घर से कुछ दूरी पर लगे एक सीसीटीवी कैमरे में वह पैदल जाता हुआ दिखाई दिया, लेकिन इसके बाद उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। परिजनों ने सिविल लाइन थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। परिवार भी बालक की खोज में लगा हुआ है।

विक्रेता नहीं कर रहा प्लॉट की रजिस्ट्री

छतरपुर। शहर के वार्ड नंबर 14 में ईदगाह के पास रहने वाली महिला ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देते हुए बताया कि उसने एक व्यक्ति से प्लॉट खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री नहीं कराई जा रही है। वह पूर्व में कई बार अधिकारियों को आवेदन दे चुकी है लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई। महिला ने कलेक्टर से त्वरित कार्रवाई और न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला सविता पत्नी गोवर्धन कुशवाहा निवासी वार्ड नंबर 14 ने बताया कि चार साल पहले उसके पति ने बृजलाल अनुरागी से एक प्लॉट खरीदा था। इसके लिए 30 हजार रुपये नगद दिए गए और बाकी राशि के बदले उनके पति गोवर्धन ने बृजलाल के यहां काम किया। सविता ने बताया कि उसने प्लॉट पर मकान भी बनवा लिया, लेकिन बृजलाल ने अब तक रजिस्ट्री नहीं की है। कुछ समय पूर्व उसके पति गोवर्धन की मृत्यु हो चुकी है, जिसके बाद सविता की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सविता ने बताया कि उसने सिविल लाइन थाना और 181 पर शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन कार्रवाई की बजाय थाना प्रभारी ने शिकायत बंद कराने का दबाव बनाया। सविता ने बताया कि वह जनसुनवाई में भी कई आवेदन दे चुकी हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

हमारे प्रदेश के दिव्यांगों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों?

छतरपुर। देश के विभिन्न राज्यों में दिव्यांगों को अलग-अलग पेंशन राशि दी जा रही है। सबसे कम पेंशन राशि मध्यप्रदेश में है। आंध्र प्रदेश में 6 हजार रुपये तो मध्य प्रदेश में मात्र 6 सौ रुपये दिव्यांगों को पेंशन के रूप में दिए जा रहे हैं। मानसिक विक्षिप्तों के सेवक डॉ संजय कुमार शर्मा ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर पेंशन विसंगति को दूर करने की मांग की है। डॉ संजय कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि बढ़ती महंगाई के अनुरूप दिव्यांगों को पेंशन राशि बेहद कम मिल रही है। डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि राजस्थान दिव्यांगों को 1500 रुपये प्रति माह पेंशन देता है। दिल्ली ढाई हजार रुपए पेंशन के रूप में दे रहा है। हरियाणा राज्य में दिव्यांगों को 2750 रुपए बतौर पेंशन दिए जाते हैं। वहीं आंध्रप्रदेश में दिव्यांगों को सबसे ज्यादा 6000 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। इन सबकी तुलना में मध्य प्रदेश में सिर्फ 6 सौ रुपये दिव्यांगों को मिल रहे हैं। डॉ शर्मा ने मध्य प्रदेश में दिव्यांगों को कम से कम 3000 रुपये प्रतिमाह बतौर पेंशन दिए जाने की मांग की है। समय पर पेंशन भुगतान एवं पेंशन के लिए एक नीति निर्धारित किए जाने की भी उन्होंने मांग रखी है।

छतरपुर में शुरु हुआ पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी अभियान

एसपी ने दिखाई हरी झंडी, 15 दिनों तक किया जाएगा जागरूकता

छतरपुर।

मंगलवार को छतरपुर जिले में भी पुलिस विभाग का नशे से दूरी, है जरूरी जागरूकता अभियान शुरु किया गया। अभियान की शुरुआत पुलिस लाइन से रैली के साथ हुई, जिसने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा नशा मुक्ति हेतु दिनांक 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशे से दूरी, है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस लाइन में दोपहर 12 बजे रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर छत्रसाल चौराहा होते हुए महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई। मार्ग में आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक करने हेतु प्रेरक नारे और बैनर प्रदर्शित किए गए। वहीं छात्र-छात्राओं, नागरिकों एवं ट्रैफिक वार्डनों को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलवाई गई। एसपी अगम जैन ने बताया कि रैली का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें नशा छोडऩे हेतु प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति की सेहत को हानि पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार व समाज को भी प्रभावित करता है। इससे दूर रहना हम सभी की जिम्मेदारी है। श्री जैन ने बताया कि अभियान के तहत जिला मुख्यालय और सभी अनुविभागों में स्कूलों, गांवों और थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जन जागरूकता रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री विदिता डागर, रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा, प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक अरविंद सिंह दांगी, प्रभारी थाना सिविल लाइन निरीक्षक बाल्मिक चौबे, थाना ओरछा रोड प्रभारी उप निरीक्षक दीपक यादव, महिला सुरक्षा शाखा प्रभारी उप निरीक्षक तबस्सुम खान सहित अन्य पुलिस अधिकारी, पत्रकार, शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं, नगरवासी एवं ट्रैफिक वार्डन शामिल रहे।

शासकीय नाले पर दबंग परिवार ने किया कब्जा, जलभराव से लोग परेशान

ग्रामीणों ने जनसुनवाई में दिया आवेदन, कार्रवाई की मांग

छतरपुर। जिले के बमीठा कस्बे में एक दबंग परिवार द्वारा शासकीय नाले पर कब्जा किए जाने के कारण स्थानीय रहवासियों के घरों में जलभराव हो रहा है। उक्त समस्या को लेकर बमीठा के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है।बमीठा के वार्ड नंबर 1 की कौशल्या रैकवार ने बताया कि वार्ड के सरकारी नाले पर अरुण उपाध्याय और उसके पिता मैयादीन उपाध्याय ने कब्जा कर लिया है, जिससे लोगों के घरों में पानी भर रहा है। अधिकांश परिवार मजदूरी करके गुजारा करते हैं और इस समस्या से परेशान हैं। उनकी शिकायतों को कोई नहीं सुन रहा, और विरोध करने पर मारपीट की धमकी दी जाती है। इसी तरह ग्रामीण सतीश मिश्रा ने बताया कि अरुण और मैयादीन ने नाले पर अवैध कब्जा कर मकान बना लिए हैं। उपाध्याय परिवार, समाजसेवी संगठन ग्राहक पंचायत से जुड़ा है, जिसका रौब दिखाकर लोगों को धमकाया जा रहा है। ग्रामीणों ने आवेदन देकर कब्जा हटवाने और कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

आश्रम की जमीन पर दबंग कर रहे अतिक्रमण

आश्रम प्रभारी ने जनसुनवाई में की शिकायत

छतरपुर। जिले के खजुराहो में स्थित मानव उत्थान सेवा समिति के आश्रम की जमीन पर दबंगों द्वारा कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। मंगलवार को आश्रम प्रभारी द्वारा जिला स्तरीय जनसुनवाई में आवेदन देकर आश्रम की जमीन पर अतिक्रमण किए जाने और विरोध करने पर हमला किए जाने की शिकायत की गई। आश्रम की प्रभारी महात्मा मालती बाई ने बताया कि कुछ दबंग लोग आश्रम की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। आश्रम द्वारा उक्त जमीन 50 लाख रुपये में खरीदी गई थी, जिसके रास्ते पर अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने बताया कि बीते रोज अतिक्रमणकारी गंगाराम पटेल, अच्छे पटेल, चरणसेवक पटेल, जगदीश पटेल, चिरोंजिया बाई, दीपक, और रिषभ ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला भी किया। विवाद के दौरान की गई धक्का-मुक्की से उनके पैर में चोट आई है। मालती बाई ने कहा कि वे सरकार से न्याय मांगने आई हैं, प्रशासन दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे और आश्रम की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराए।

बांध टूटने से तबाह हुई फसलें, कलेक्टर के पास पहुंचे ग्रामीण

छतरपुर।

तहसील क्षेत्र के ग्राम रौरा, पड़रिया, बसाटा और टपरियन के ग्रामीणों ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देकर पड़रिया बांध टूटने से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। ग्रामीणों ने नारेबाजी और प्रदर्शन करते हुए अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं।

रौरा के देवेंद्र यादव ने बताया कि पिछले दिनों पड़रिया बांध टूटने से क्षेत्र के की फसलें पूरी तरह चौपट हो गईं हैं। उन्होंने सर्वे करवाकर 100 फीसदी मुआवजा देने और क्षतिग्रस्त बांध की मरम्मत की मांग की, ताकि भविष्य में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। वहीं टपरियन के भगवतदीन मिश्रा ने बताया कि बांध टूटने से फसलों के साथ-साथ गृहस्थी का सामान और कुछ लोगों के मवेशी भी बह गए, जिससे उनके सामने पालन-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। बसाटा के ओमप्रकाश तिवारी ने भी यही समस्याएं बताईं और तत्काल राहत की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सर्वे और मुआवजा देने की मांग की है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुधर सके।

सात सालों से विद्युत आपूर्ति की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीण

छतरपुर।

जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम सोरखी के ग्रामीण पिछले करीब 7 वर्षों से विद्युत आपूर्ति की किल्लत से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सुजारा बांध निर्माण के दौरान किए गए विस्थापन के बाद से बिजली की समस्या बरकरार है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। वृद्ध चेचा अहिरवार ने बताया कि विस्थापन के दौरान गांव को हटाया गया था, लेकिन डूब क्षेत्र से बाहर होने के कारण करीब 50 परिवार अभी भी वहीं रह रहे हैं। उन्हें डेढ़ किलोमीटर दूर से बिजली का कनेक्शन लेना पड़ता है, जिस पर विभागीय अधिकारी आपत्ति जताते हैं। इसी तरह हीरालाल अहिरवार ने बताया कि यह समस्या पिछले 7 सालों से गांव में बिजली नहीं है। रात के वक्त अंधेरा राहता है जिससे जानवरों का खतरा बना रहता है। बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से बिजली आपूर्ति की स्थायी व्यवस्था और विभागीय अधिकारियों की आपत्तियों को दूर करने की मांग की है।

गौरैया रोड पर लगे अवैध रेत के डंप

मायनिंग विभाग की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

छतरपुर।

शहर के गौरैया रोड पर लगे अवैध रेत के डंप ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है, साथ ही मायनिंग विभाग की ओर से कोई कार्रवाई न किए जाने के चलते विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेत माफियाओं ने गौरैया रोड पर भारी मात्रा में रेत का डंप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में नदियों से रेत निकालना मुश्किल होता है, इसलिए माफियाओं ने पहले ही रेत का भंडारण कर लिया है। चूंकि मायनिंग विभाग और प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा, जिससे अवैध उत्खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं। वे बेरोकटोक अपना कारोबार चला रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने और डंप को जप्त किए जाने की मांग की है।

ई आफिस में ऑनबोर्ड न होने वाले अधिकारियों की रूकेगी वेतन वृद्धि

रीवा । कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी फाइल तथा पत्राचार का पूरा कार्य ई आफिस के माध्यम से करें। सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं और पत्र भी इसी माध्यम से एक-दूसरे कार्यालय को भेजें। अपने कार्यालय में भी अधीनस्थ स्तर तथा जिलों से फाइल का मूवमेंट ई आफिस के माध्यम से ही करें। जो कार्यालय 15 जुलाई को शाम 5 बजे तक ई आफिस में ऑनबोर्ड नहीं होंगे उनके प्रभारी अधिकारी की एक वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही की जाएगी। ई आफिस सिस्टम में फाइल क्रियेट करें, फाइल मूव करें और उसी में फाइल सुरक्षित भी रख सकते हैं। विभागीय कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट भी ई आफिस से ही भेजें। कमिश्नर ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में पौधे रोपित किए जा रहे हैं। प्रत्येक विकासखण्ड के लिए एक लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी अधिकारी उपयुक्त और सुरक्षित स्थल में पौधे अवश्य रोपित कराएं। फोरलेन सड़कों के डिवाइडर, तालाबों के किनारे, गौशाला परिसर, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, आंगनवाड़ी केन्द्र, छात्रावास परिसर तथा कार्यालय परिसरों में पौधे रोपित कराएं। जिला महाप्रबंधक उद्योग औद्योगिक इकाईयों के परिसरों में वृक्षारोपण कराएं। उप संचालक खनिज सभी खदान संचालकों से पौधे रोपित कराएं। उपायुक्त जीएसटी व्यापारिक संगठनों से वृक्षारोपण कराएं। सबके सहयोग और प्रयासों से ही वृक्षारोपण का लक्ष्य पूरा होगा। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत पौधे रोपित करें। स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजनों को भी इस अभियान में सहभागी बनाएं। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के पदोन्नति के लिए समिति की बैठक की सभी तैयारियाँ कर लें। सभी के गोपनीय प्रतिवेदन प्रेषित कर दें। संभाग के सभी जिलों में अच्छी वर्षा हो रही है। शहरी क्षेत्र में नालों की सफाई का कार्य प्राथमिकता से कराएं। जल भराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था करें। सीएम हेल्पलाइन तथा समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में शामिल सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शहरी विकास विभाग, श्रम विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा ऊर्जा विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में संभाग के तीन जिले ए श्रेणी में हैं। शेष तीन जिलों को भी प्रकरणों का निराकरण करके ए श्रेणी में लाएं। अक्षय ऊर्जा विभाग द्वारा प्रत्येक जिले में एक-एक आदर्श ऊर्जा ग्राम विकसित किया जाएगा। इसके लिए पाँच हजार से अधिक आबादी वाले उपयुक्त गांव का प्रस्ताव प्रस्तुत करें। बैठक में बाढ़ से राहत तथा बचाव, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में भी निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, एसडीओ वन हितेश खण्डेलवाल, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास शशि श्याम, मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह तथा अन्य संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नर्सिंग छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले डॉ. अशरफ निलंबित

रीवा। शासकीय नर्सिंग कॉलेज रीवा में छात्राओं द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद ईएनटी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद अशरफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। छात्राओं ने मानसिक उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के आरोप लगाते हुए कॉलेज प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। करीब 80 छात्राओं ने डॉ. अशरफ के खिलाफ सामूहिक शिकायत प्रस्तुत कर कहा था कि उनके व्यवहार से वे असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए कॉलेज डीन ने आंतरिक परिवाद समिति को मामले की जांच सौंप दी थी, जिसकी अध्यक्षता नेत्र रोग विभाग की एचओडी डॉ. शशि जैन को सौंपी गई थी। हालांकि, जांच प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद छात्राओं ने समिति की निष्पक्षता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। आरोप है कि समिति की अध्यक्ष डॉ. जैन ने जांच को प्रभावित करने की कोशिश की और डॉ. अशरफ को बचाने का प्रयास किया। इसको लेकर छात्राएं नाराज हो गईं और उन्होंने कलेक्टर, कमिश्नर तथा एसपी कार्यालय तक पहुंचकर अपनी बात रखी। बढ़ते दबाव के बीच कॉलेज प्रशासन ने स्थिति को संभालते हुए डॉ. अशरफ को निलंबित करने का निर्णय लिया। प्रभारी डीन डॉ. प्रियंक शर्मा ने आदेश जारी कर उन्हें अधिष्ठाता कार्यालय से संबद्ध कर दिया है।

बाढ़ में फंसा रहा वाहन, समय पर नहीं मिली मदद, अस्पताल पहुंचने से पहले गर्भवती की दर्दनाक मौत

चारों तरफ से नदी से घिरा गांव, पुलिया डूबी, व्यवस्था लापता

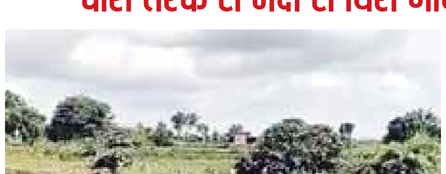

रीवा। जिले के जवा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहठा के ग्राम भनिगवां में भारी बारिश के कारण एक गर्भवती महिला की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई। बताया जा रहा है कि प्रसव पीड़ा के बाद गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाते समय बारिश हो जाने के कारण अचानक से रपटा पुल का जल स्तर बढ़ गया जिससे महिला को ले जा रहा वाहन फंस गया और करीब 3 से 4 घंटे तक वाहन वहां फसा रहा जिससे महिला की तड़प तड़प कर मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक भनिगंवा गांव की रहने वाली प्रिया रानी कोल पति सोनू कोल अपने मायके में थी। महिला गर्भवती थी अचानक दर्द आने पर परिजन उसे जवा अस्पताल लेकर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में महना नदी तेज उफान में थी, सभी लोग नदी के एक तरफ ही अटके रहे। इसी दौरान करीब तीन-चार घंटे तक प्रियारानी कोल कराहती रही और तड़प तड़प कर उसकी मौत हो गई। बताया गया कि इस दौरान गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया गया जिसने महिला को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मृतका मायके में थी जहां से ससुराल जाने के लिए उसके शव को 40 किलों मीटर का सफर तय करना पड़ा। मृतका प्रियारानी की मां का कहना है कि प्रियारानी के पहले से एक बेटा है। मृतका 8 से 9 माह की गर्भवती थी। बाढ़ के चलते अस्पताल पहुंचने में काफी दिक्कतें आई और ज्यादा तबीयत खराब होने से प्रियारानी की मौत हो गई। ससुर ने बताया कि बाढ़ के चलते उफान आने के कारण परिवार करीब 40 किलोमीटर का चक्कर काटकर महिला के शव को मायके से ससुराल लेकर आया।

ससुराल में रोड न होने के कारण वह मायके चली गई थी, सोचा था कि मायके में सुरक्षित डिलीवरी हो जाएगी। लेकिन पहले नदी में बाढ़ के चलते वह अस्पताल नहीं पहुंच पाई और फिर उसके शव को बड़ी मुश्किल से ससुराल ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कराया गया।

ससुराल में सड़क न होने के चलते सुरक्षित डिलीवरी के लिए महिला आई थी मायके

बता दे बारिश के दिनों में उसे डिलीवरी के लिए अस्पताल जाने में ज्यादा कठिनाई न हो इसके लिए वह कुछ दिन पूर्व ही ससुराल से 30 किलोमीटर दूर अपने मायके चली आई थी, क्योंकि ससुराल से अस्पताल जाने के लिए अच्छी सड़क और साधन नहीं था। वह चाहती थी सुरक्षित डिलीवरी हो जाए, लेकिन यहां भी बदतर व्यवस्था ने पीछा नहीं छोड़ा। बारिश से बाढ़ आने पर महिला अस्पताल तक नहीं पहुंच पाई। और उसकी बीच रास्ते में दर्दनाक मौत हुई। पूरी घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों का रो- रो के बुरा हाल है।

कीचड़ भरी सड़क से गुजरकर ससुराल में हुआ अंतिम संस्कार

महिला के शव को वापस उसके मायके लाया गया, लेकिन जब अंतिम संस्कार के लिए उसे ससुराल ले जाने की बारी आई तब उसके परिजनों को बड़ी जद्दोजहद करना पड़ी, महिला के शव को खाट रखकर कमर के ऊपर पानी से गुजरकर ससुराल तक ले जाने के लिए परिजनों को 30 किलमीटर का लम्बा नर्क से भी बदत्तर कहे जाने वाले रास्ते का सफर तय करना पड़ा, सड़क पूरी तरह खस्ताहाल और कीचड़ भरे रास्तों से जैसे तैसे नदी पार करते हुए शव को ससुराल पहुंचाया गया, जहां उसका अंतिम संस्कार हुआ।

घटना के बाद भी कोई जिम्मेदार नहीं पहुंचा गांव, परिजन बोले मदद तो दूर, संवेदना तक नहीं

बता दे ग्राम बरहठा के ग्राम भनिगवां चारों तरफ से नदी से घिरा है। अतिवृष्टि के कारण टमस और महाना दोनों नदियों में बाढ़ आई थी, पुल की हाइट कम होने के कारण पुल डूबे थे जिस पर परिजन नदी पार करके महिला को अस्पताल नहीं ले जा पाये। और उसकी तड़प तड़प कर मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार पर कलंक लग गया और पूरे परिवार का रो रो के बुरा हाल है। घटना के संबंध में जब पीड़ित परिजनों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आज दिनांक तक उनके घर कोई भी जिम्मेदार मिलने तक नहीं पहुंचे। इस घटना के बाद कोई भी जिम्मेदार ना तो ग्राम पंचायत के सरपंच और ना ही सचिव किसी ने भी घर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी ली और ना ही कोई सहायता प्राप्त हुई। सड़क न होने के कारण उनकी गर्भवती बिटिया की उनके आंखों के सामने तड़प तड़प कर मौत हो गई कोई भी मदद के लिए सामने नहीं आया।

इनका कहना है

बरसात का समय चल रहा है, इस विषय के बारे में जानकारी ली जाएगी. सामान्यतः किसी भी गांव की प्रधानमंत्री सड़क अन्य सुविधाओं से है या यदि कोई ग्राम पंचायत ऐसी है, जिसमें नदी या नाला पार करने को लेकर कोई दिक्कत है, तो उसका परीक्षण हम लोग प्राथमिकता से करवा लेंगे।

प्रतिभा पाल, कलेक्टर रीवा।

छत के रास्ते घर में घुसे शातिर चोर नकदी और मोबाइल लेकर हुआ रफूचक्कर

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ बदमाश, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पुष्पराज नगर की घटना

रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुष्पराज नगर क्षेत्र में बीती रात चोरी की एक वारदात ने पुलिस और आमजन को चौंका दिया। अज्ञात चोर ने एक दो मंजिला मकान को निशाना बनाते हुए छत के रास्ते घर में प्रवेश किया और बुजुर्ग के कमरे से मोबाइल फोन और नकदी लेकर फरार हो गया। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। शहर के पुष्पराज नगर में रहने वाले भारतीय प्रसाद त्रिपाठी के घर आधी रात को एक चोर ने प्रवेश किया। परिवार के लोग ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे, जबकि नीचे अकेले बुजुर्ग सो रहे थे। देर रात करीब एक बजे, पड़ोस की छत से होते हुए चोर त्रिपाठी के मकान की छत पर पहुंचा और वहां से सीढ़ी के सहारे नीचे उतरा। बुजुर्ग के कमरे में पहुंचकर चोर ने तकिए के नीचे रखे 5 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन चुरा लिया। खास बात यह रही कि इस दौरान कमरे में सो रहे बुजुर्ग को कोई भनक तक नहीं लगी। सुबह जब चोरी का पता चला तो परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शिकायत मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। एक कैमरे में आरोपी की स्पष्ट तस्वीरें कैद हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस उसकी शिनाख्त की कोशिश कर रही है।चोरी के बाद मोबाइल पर जब परिजनों ने कॉल किया, तो फोन रिसीव हुआ और दूसरी ओर से बताया गया कि वह बाजार में है। इसके कुछ देर बाद फोन बंद कर दिया गया, जिससे संदेह और गहरा हो गया है। गौरतलब है कि पुष्पराज नगर में इस प्रकार की यह कोई पहली वारदात नहीं है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में अज्ञात चोर मोटर पंप चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं, जिनमें से एक आरोपी नकाबपोश सीसीटीवी में दिखा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल, पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी तक पहुंचने का प्रयास जारी है।

संदिग्ध हालातों में महिला की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप; पुलिस ने शुरू की जांच

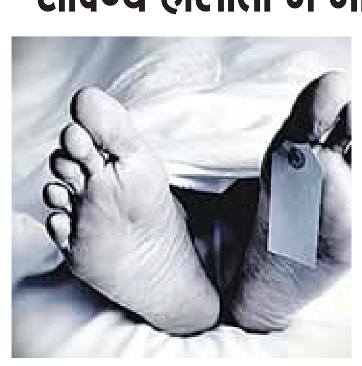

रीवा। जिले के गढ़ थाना अंतर्गत लालगांव पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम भौखरी में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान फूला देवी (30 वर्ष) के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। वही पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, फूला देवी बीते कुछ वर्षों से ग्राम भौखरी में शनि नामक युवक के साथ पति-पत्नी की तरह रह रही थीं। दोनों के दो बच्चे भी हैं। फूला के भाई का कहना है कि बहन ने प्रेम विवाह किया था और शुरू में सब कुछ सामान्य था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से दोनों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। मृतका के भाई ने आरोप लगाया कि उसकी बहन को लंबे समय से शनि द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि घरेलू विवादों के चलते अक्सर उसके साथ मारपीट की जाती थी। परिजनों का कहना है कि घटना के दिन भी शनि ने उसकी बुरी तरह पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।वहीं दूसरी ओर, शनि का कहना है कि फूला देवी ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। थाना प्रभारी का कहना है कि मौत के सही कारण का खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

दिव्यांग छात्रों को वितरित किए गए सहायक उपकरण

मऊगंज। प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग छात्र छात्राओं के जीवन यापन पढ़ाई लिखाई से लेकर अन्य किसी परेशानियों का सामना न करना पड़े जिसको लेकर चलाई गई विशेष जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है। सरकार की योजना के तहत जिला शिक्षा केंद्र रीवा के दिशा निर्देशन में 14 जुलाई सोमवार को जनपद शिक्षा केन्द्र मऊगंज मे दिव्यांग छात्र छात्राओं के लिए सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। पूर्व निहित योजना अनुसार जिला आईईडी प्रभारी दिव्या झा के मार्गदर्शन एवं विशेष उपस्थिति में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि सुलेंद्र गुप्ता रहे। इस दौरान विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ शिविर का शुभारंभ किया गया। बीआरसीसी मऊगंज शिवकुमार रजक के नेतृत्व में आयोजित सहायक उपकरण शिविर में मऊगंज जनपद शिक्षा केंद्र क्षेत्र के 48 छात्र-छात्राओं का आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण हेतु पूर्व में चिन्हित किया गया था। जिन्हें दिव्यागता अनुसार सहायक उपकरण सामग्री ट्राइसिकल व्हीलचेयर ,कान की मशीन, सीपी चेयर एवं मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों की किट, ब्रेल किट आदि वितरण कर बच्चों एवं अभिभावकों को उपकरण की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की गई। आयोजित सहायक उपकरण वितरण शिविर को सफल बनाने में मऊगंज जनपद शिक्षा केंद्र में पदस्थ समस्त बीएससी, एनआईएलपी समन्वयक, एमआईएस, एमआरसी, सभी जन शिक्षकों के साथ मुख्य रूप से एलिम्को जबलपुर टीम के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। आयोजित शिविर के दौरान दूरदराज से आए दिव्यांग छात्र छात्राओं को ब्लॉक स्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र मऊगंज की ओर से स्वल्पाहार का वितरण किया गया। इस बीच सहयोगी उपकरण पाकर दिव्यांग छात्र-छात्राएं बेहद खुश नजर आए।

मऊगंज जिले में गांव गांव पहुंचाई जा रही अवैध पैकारी की शराब

सरकारी दुकानों से क्षेत्र में पहुंचाई जा रही शराब, प्रशासन बना अनजान

मऊगंज। जिले में अवैध शराब की खुलेआम पैकारी ने जिम्मेदार तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जिले के अंतर्गत लाइसेंसी शराब दुकानों से कार्टून और बोरियों में भरकर शराब को गांव-गांव भेजा जा रहा है। इस तरह का खेल कोई चोरी छुपे नहीं बल्कि शासकीय शराब दुकानों के संचालक खुलेआम दो पहिया चार पहिया वाहनों में गांव-गांव शराब भेज कर अवैध कारोबार में लिप्त हैं। इस तरह अवैध कारोबार के एक नहीं कई वीडियो भी वायरल हो चुके हैं। लेकिन यह सब कुछ जिम्मेदारों की जानकारी में होते हुए भी कार्रवाई का अभाव दिखाई देता है।

मादक पदार्थ के अवैध कारोबार को रोकने के लिए सरकार द्वारा आबकारी विभाग बनाया गया है जिले में आबकारी विभाग के दो वृत्त बनाए गए हैं लेकिन देखा यह जा रहा है कि यह विभाग केवल अपने सिस्टम तक सीमित है। महीने में आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी कुछ दिन के लिए फील्ड पर उतरते हैं लेकिन महुआ शराब के अड्डों में दविस देकर अपनी जिम्मेदारी भूल जाते हैं। आबकारी विभाग द्वारा अवैध महुआ शराब कारोबारियों के यहां हजारों किलोग्राम की मात्रा में मिले महुआ लहान को ना तो नष्ट किया जाता है और ना ही बड़ी मात्रा में हाथ भट्टी शराब की जप्ती दिखाई जाती है। उधर गांव-गांव बिकने वाली शासकीय दुकानों की शराब के कारोबारियों के कारोबार में आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही किया जाना तो दूर हाथ डालना तक उचित नहीं समझा जाता। जिसका परिणाम है कि नईगढ़ी लौर हनुमना शाहपुर मऊगंज थाना क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार दिन दूना रात चौगुना फल खोल रहा है।

सरकार के नियमों का नहीं हो रहा पालन-

ग्रामीणों का आरोप है कि दुकानों में न तो रेट सूची चस्पा है, न ही निर्धारित मूल्य पर शराब बेची जा रही है। प्रिंट रेट से 10 से 20 रुपये अधिक वसूले जा रहे हैं, जिससे ग्राहक और दुकानदारों में आए दिन विवाद होता है। बावजूद इसके, आबकारी विभाग केवल औपचारिकताएं निभाता नजर आता है। इधर शाम होते ही नईगढ़ी बाजार की शराब दुकान के बाहर भारी भीड़ जमा हो जाती है। वाहन दोनों ओर खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बन जाती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। सूत्रों की मानें तो शराब ठेकेदार और आबकारी अधिकारियों के बीच मिली भगत के चलते यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। विरोध करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को दबाया जाता है और कई बार झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं। स्थिति को देखते हुए यह साफ है कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या सामाजिक और कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती बन सकती है।

इनका कहना है

स्कैनर और रेट लिस्ट को लेकर निर्देश दिए जा चुके हैं। अगर किसी दुकान में अनियमितता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। अवैध पैकारी पर भी छापेमारी जारी है।

संजय जैन
कलेक्टर मऊगंज

अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। पिछले अभियान में 23 लाख की शराब जब्त की गई थी। भविष्य में भी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गौरव राजपूत
आईजी रीवा